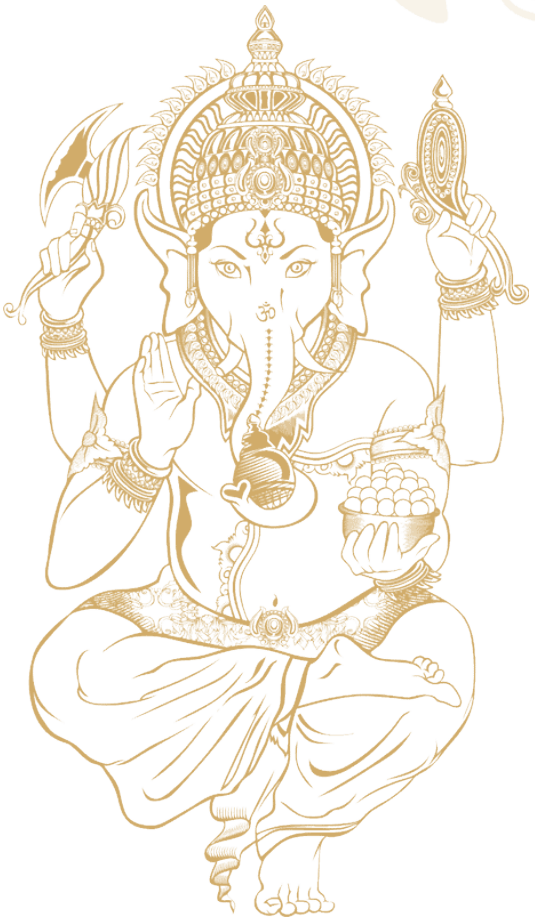

Mr.

28 Aug 2020

11:42 AM

Chandigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121699702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/08/2020**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:42:00 घंटे**
इष्ट	14:22:18 घटी
स्थान	**Chandigarh**
देश	India

अक्षांश	30:43:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:19:08 घंटे
वेलान्तर	-00:01:10 घंटे
साम्पातिक काल	09:46:51 घंटे
सूर्योदय	05:57:04 घंटे
सूर्यास्त	18:50:18 घंटे
दिनमान	12:53:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:15:50 सिंह
लग्न के अंश	24:20:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:20:44	303:19:48	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			सिंह	11:15:50	00:57:57	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	12:49:39	13:13:20	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	02:51:52	00:10:29	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध		अ	सिंह	21:16:58	01:47:33	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	23:39:40	00:02:59	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	26:12:12	01:02:48	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
शनि	व		मक	02:00:07	00:02:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मिथु	02:39:13	00:01:05	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	02:39:13	00:01:05	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष	व		मेष	16:29:04	00:00:37	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	25:48:06	00:01:35	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	28:39:52	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	00:16:12	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:28

लग्न-चलित

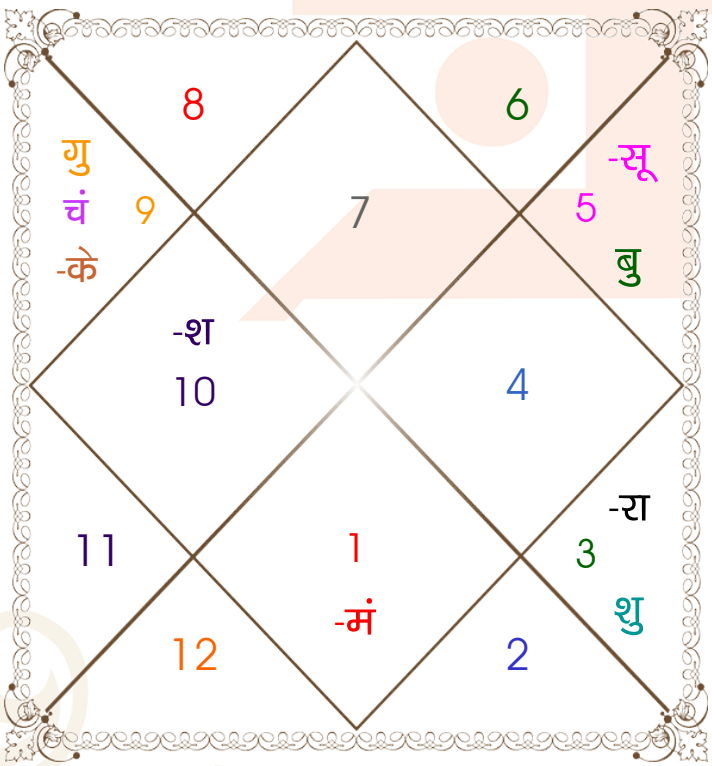

चन्द्र कुंडली

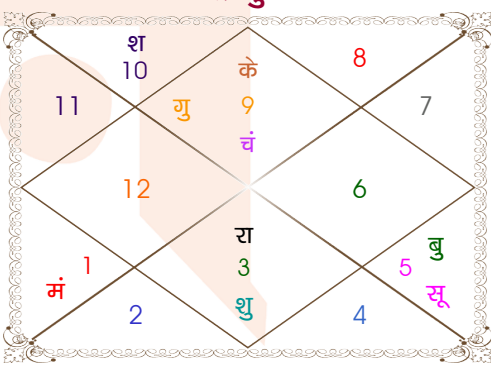

नवमांश कुंडली

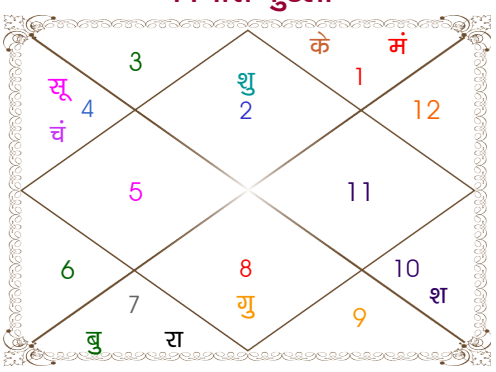

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 3 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/08/2020		03/12/2020		03/12/2040		04/12/2046		03/12/2056	
03/12/2020		03/12/2040		04/12/2046		03/12/2056		04/12/2063	
	00/00/0000	शुक्र	04/04/2024	सूर्य	23/03/2041	चंद्र	04/10/2047	मंगल	01/05/2057
	00/00/0000	सूर्य	04/04/2025	चंद्र	21/09/2041	मंगल	04/05/2048	राहु	20/05/2058
	00/00/0000	चंद्र	04/12/2026	मंगल	27/01/2042	राहु	03/11/2049	गुरु	26/04/2059
	00/00/0000	मंगल	03/02/2028	राहु	22/12/2042	गुरु	05/03/2051	शनि	03/06/2060
	00/00/0000	राहु	02/02/2031	गुरु	10/10/2043	शनि	03/10/2052	बुध	01/06/2061
	00/00/0000	गुरु	03/10/2033	शनि	21/09/2044	बुध	05/03/2054	केतु	28/10/2061
	00/00/0000	शनि	03/12/2036	बुध	28/07/2045	केतु	04/10/2054	शुक्र	28/12/2062
	28/08/2020	बुध	04/10/2039	केतु	03/12/2045	शुक्र	03/06/2056	सूर्य	05/05/2063
बुध	03/12/2020	केतु	03/12/2040	शुक्र	04/12/2046	सूर्य	03/12/2056	चंद्र	04/12/2063

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/12/2063		03/12/2081		03/12/2097		04/12/2116		04/12/2133	
03/12/2081		03/12/2097		04/12/2116		04/12/2133		29/08/2140	
राहु	16/08/2066	गुरु	21/01/2084	शनि	07/12/2100	बुध	03/05/2119	केतु	02/05/2134
गुरु	09/01/2069	शनि	04/08/2086	बुध	17/08/2103	केतु	29/04/2120	शुक्र	03/07/2135
शनि	15/11/2071	बुध	09/11/2088	केतु	25/09/2104	शुक्र	28/02/2123	सूर्य	07/11/2135
बुध	04/06/2074	केतु	16/10/2089	शुक्र	26/11/2107	सूर्य	04/01/2124	चंद्र	07/06/2136
केतु	22/06/2075	शुक्र	16/06/2092	सूर्य	07/11/2108	चंद्र	05/06/2125	मंगल	04/11/2136
शुक्र	22/06/2078	सूर्य	04/04/2093	चंद्र	08/06/2110	मंगल	02/06/2126	राहु	22/11/2137
सूर्य	17/05/2079	चंद्र	04/08/2094	मंगल	18/07/2111	राहु	19/12/2128	गुरु	29/10/2138
चंद्र	15/11/2080	मंगल	11/07/2095	राहु	24/05/2114	गुरु	27/03/2131	शनि	08/12/2139
मंगल	03/12/2081	राहु	03/12/2097	गुरु	04/12/2116	शनि	04/12/2133	बुध	29/08/2140

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 3 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।